मुक्तागिरी में झरता सोना

भारत भू की हृदय धरा यह, पुरातत्व की खान है,
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम है।
गोपाचल पर पार्श्वनाथ, उन्नत ललाट की शोभा है।
मणिमुक्ता से कंठ सुशोभित, सोनागिरी की महिमा है।
चंदेरी, थूवौन, पपौरा, मन में शांति दिलाते हैं,
श्री अहारजी, बजरंगगढ़ में, शांति प्रभु मुस्काते हैं,
बुंदेली भू धर्म धरा, देती नवजीवन, प्राण है।
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
द्रोणगिरी व नैनागिरि जी, वक्ष स्थल की शान है,
कुण्डलपुर, मड़िया, ग्यारसपुर, हृदय बसे जिन प्राण है,
बोहरीबंद, पनागर मिलकर, यश समृद्धि बढ़ाते हैं,
बड़वानी के आदिजिनेश्वर, विश्व पूज्य बन जाते है।
जो पाते हैं प्रभु चरण रज, मिले शांति सम्मान है।
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
मुक्तागिरी में झरता सोना, शीतल मन हो जाता है,
सिद्धवरकूट के दर्शन से, मन सिद्ध शिला हो जाता है,
सृजन भक्तामर धार, भोजपुर, मांगतुंग आचार्य किया,
वीर प्रभु की तपोधरा का, उज्जयनी को मान लिया।
विश्व वंद्य श्री पार्श्व जिनेश्वर, मक्सीजी के प्राण हैं।
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
खजुराहों के शांतिनाथ प्रभु, मन में शांति प्रदाता है,
खंदारगिरी के पूज्य जिनेश्वर, आज भी मुक्तिदाता है।
सिद्धोदय, नेमावर में प्रभु, श्रद्धा भक्ति के रुप हैं।
पुष्पगिरि, गोम्मटगिरी, वर्तमान के धर्म प्रतीक हैं।
बीनवारा,सागर, रहली, भाग्योदय भी नाम हैं।
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
आज सुशोभित युग वैभव से, क्षमा, सुधा, ज्ञान सागर से,
पुष्पदंत प्रसन्न गुरुजी, गुप्ति व तरुण सागर से
विराग, अभय सागर, समता, अरु पंचशतक भी नाम हैं।
कण-कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।

- इंजी. अरुण कुमार जैन
उज्जैन (म.प्र.)

इस युग का श्रवण कुमार

शिक्षित व सभ्य समाज में परिवार का आकार छोटे से छोटा होता जा रहा है। एक समय था जब परिवार में 8-10 सदस्यों का होना सामान्य बात हुआ करती थी। परिवार का सपूत ही माँ बाप का पेंशन प्लान हुआ करता था। लेकिन अब....? ''हम दो हमारे दो'' के परिवार में कई ऐसे परिवार भी है जहाँ दो लाड़ली लक्ष्मी है और जहाँ बेटे हैं तो जरुरी नहीं कि श्रवण कुमार ही हो। इस कलयुग में श्रवणकुमार की कमी है। इसलिये अपने बुढ़ापे की लाठी को आज से ही मजबूत कीजिये। बुढ़ापे का सहारा ''पेंशन''।

सरल शब्दों में **पेंशन से आशय** बुढ़ापे की गुजर बसर (खर्चो) के लिए आय का साधन या उस समय के लिये फंड तैयार करना जब आप काम नहीं कर सकते व आराम चाहते है।

रिटायरमेंट लाइफ अच्छे से गुजारने के लिये एक अच्छे पेंशन प्लान का चुनाव करना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। वैसे तो बीमा कंपनियों में कई तरह के पेंशन प्लान है। पर एक प्लान ऐसा भी है जिसके लिये आपको न तो कोई एस.एम.एस. आयेगा न ही कोई कॉल आयेगी और न ही कोई एजेन्ट आयेगा। जी हाँ यह स्कीम है न्यू पेंशन स्कीम।

न्यू पेंशन स्कीम

न्यू पेंशन स्कीम को न्यू पेंशन सिस्टम के नाम से भी जाना जाता है। यह एक सरकारी स्वेच्छिक पेंशन स्कीम है। जो शुरु में शासकीय कर्मचारियों के लिए चालू की गई थी। वर्तमान में सभी के लिये उपलब्ध है। एन.पी.एस को संक्षेप में सरल तरीके से समझाने का प्रयास किया गया है।

* **उम्र** - 18 से 55 वर्ष के भारतीय व एनआरआई इस योजना में अंशदान कर सकते है व 61 वे वर्ष से पेंशन प्राप्त कर सकते है।

* **न्यूनतम अंशदान** -500 रु. प्रतिमाह या 1500 रु. त्रैमासिक अंशदान इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस (ई.सी.एस) द्वारा कर सकते है।

* परमानेंट रिटायरमेंट एकाउंट दो तरह के खोले जाते है। प्रथम श्रेणी खाता में बीच के आहरण नहीं कर सकते। द्वितीय श्रेणी खाता में आहरण करने की सुविधा है।

* एक्टिव च्वाइस अर्थात् फंड विकल्प चुनने की स्वतंत्रता

फंड 'सी' - निश्चित आय संसाधनों में निवेश जैसे बांड, सी.पी. सी.डी.। **फंड 'ई'** - शेअर बाजार में अनुसंधान पूर्वक निवेश। **फंड 'जी'** - लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश।

* **आटो च्वाइस** - इसमें उक्त तीनों फंड विकल्प फंड सी, फंड ई व फंड जी का उम्र अनुसार संतुलित मिश्रण होता है।

* **आपके हितों की रक्षा कैसे** - भविष्य निधि नियमक व विकास प्राधिकरण एक अधिकार प्राप्त सरकारी संस्था है। जो नियमन द्वारा अंशदाताओं के हितों की रक्षा करता है।

* **एनपीएस खाता कहाँ खोले** - परमानेंट रिटायरमेंट एकाउंट (पी.आर.ए) 1000/- रु. से जनरल पोस्ट आफिस (जी.पी.ओ), भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई) की चुनिंदा शाखाऐं व कम्प्यूटर एसेट मेनेजमेंट सर्विस (सी.ए.एम.एस) में खोला जा सकता है।

* बीमा कंपनी की पेंशन योजना, रिलायंस व यूटीआई म्युचुअल फंड भी एन.पी.एस खाता खोल रहे है, जो ज्यादा खर्चीली है। इनका सालाना संपत्ति प्रबंधन खर्च 3-4% होता है। जबकि एन.पी.एस का सालाना संपत्ति प्रबंधन खर्च मात्र 0.50% ही है। व सर्विस चार्ज के रुप में 23 रु. प्रति ट्राजेक्शन के लगते है।

* **अंशदान पर रिटर्न** - फंड सी व फंड जी स्थिर आय देने मे सक्षम है जो 8-9% रिटर्न देते है। फंड 'ई' लंबे समय में 12% या अधिक रिटर्न दे सकता है। जो काफी अच्छा रिटर्न होगा। आटो च्वाइस जो एक संतुलित फंड है 10-11% का संभावित रिटर्न देता है।

अंत में मैं यह कहना चाहूँगा कि पेंशन प्लान आपका बेटा तो नहीं है पर बेटे (कमाऊपूत) से कम भी नहीं है। चाहे व पी.पी.एफ, जी.पी.एफ, ई.पी.एफ हो या नियमित आय देने वाली एम.आई.एस, एम.आई.पी, एफ.डी हो या प्रापर्टी (मकान, दुकान, कृषिभूमि) ही क्यों न हो। इस युग के श्रवण कुमार से कम नहीं।

राजेश कुमार जैन, सुंदर नगर मेन, सुखिलया इन्दौर

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य अंतिम चरण में...

कोमलचंद जैन, इन्दौर। समाज का एकमात्र सांस्कृतिक भवन एवं शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है। लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित्त इस भवन को भव्यता और मजबूती प्रदान करने के लिए जीर्णोद्धार का कार्य कराया जा रहा है। समाजजनों से सादर अनुरोध है कि वे खुले हृदय से हमारे बुजुर्गो के स्वाभिमान एवं उनके द्वारा एक एक पाई जोड़कर निर्मित मंदिर व भवन को भव्यता प्रदान करने के लिए सहयोग प्रदान करे व अपने परिजनों की स्मृति में मंदिर निर्माण के किसी भी कार्य में सहयोग प्रदान कर परिजनों की स्मृति को चिरस्थायी बनायें।

* सफलता के सूत्र *

* जो भी करो दिल से करो। * एक चुप सौ विवादों को टालता है। * मौन सर्वोत्तम नीति है। * आप जितना कम बोलेंगे, उतना अधिक सुने जावेंगे। * उपवास शारीरिक भार से बचाता है, मौन मानसिक भार से बचाता है। * मौन रहो या वो बात कहो जो मौन से श्रेष्ठ हो। * जब आपका काम बोल रहा हो, तब आप न बोलें। * कहो ऐसा जो किसी ने न सुना हो। * मछली मुँह न खोले तो काँटे में फंसने से बच सकती है। * जब बहस करना बेकार लगे तो चुप रहना अच्छा है। * जो महत्वहीन हो उसे छोड़ दें, भले ही वह रिश्तेदारी हो या जिम्मेदारी। * फैसला करने से पहले फासले मिटा लें। * लोग इसलिए अकेले है क्योंकि वे पुलों की बजाए दीवारें बना लेते है। * काश मैंने बीते हुए पलों में कल की सोची होती। * वह गरीब व्यक्ति नहीं है जिसके पास थोडा बहुत ही है। गरीब तो वह है, जो ज्यादा के लिए सोच रहा है। * हर इंसान, जिससे मैं मिलता हूँ, किसी न किसी बात में मुझसे बढ़कर है। वही, मैं उससे सीखता हूँ।

संकलन - राजेन्द्र कुमार जैन 'सायकलवाले'

परम संरक्षक - श्री सुभाषचंद-बसंतमालती जैन, मुंबई

पं. परमानंद-हीराबाई बुढ़वारवाले के सुपुत्र श्री सुभाषचंद जैन ने बी.कॉम पश्चात सी.ए. की शिक्षा मुंबई में की तत्पश्चात् सन् 1969 से 2008 डी.सी.डब्ल्यू लि., मुंबई में सी.ए. पद पर अपनी सेवाएँ प्रदान की। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती बसंतमालती जैन 'सुपुत्री - श्री मुन्नालाल-शांतिबाई जैन, चक्कीवाले, विदिशा' सरल स्वाभावी एवं धार्मिक गतिविधियों में रुचि रखती है।

विशेष सहयोग के लिए गोलालारीय दर्शन परिवार आपका आभारी है एवं आशा करता है भविष्य में भी आपका सहयोग मिलता रहेगा।